B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)

प्रथम पत्र (First Paper)

COURSE TYPE : CC-1

COURSE CODE : BAHHINC101

हिंदी साहित्य का इतिहास(रीतिकाल तक)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा |

काल विभाजन और नामकरण |

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य ।

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय ।

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा(संत काव्य, सूफी काव्य), सगुण काव्यधारा(रामभक्ति काव्य,कृष्णभक्ति काव्य) ।

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त ।

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स,नोएडा
9. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली

12. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली

13. हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली

14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना

17. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

18. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़

19. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

20. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

21. सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

22. हिंदी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास, भाग-एक : डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

23. साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)

COURSE TYPE : CC-2

COURSE CODE : BAHHINC102

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य

अंक विभाजन

प्रश्न		अंक
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई : एक

विद्यापति (विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह से **7 पद) : 1.** विदिता देवि विदिता हो(1) **2**. नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) **3**. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) **4**. सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल, स्रवनक पथ दुहु लाचन लेल(11) **5.** को हमे साँझक एकसरि तारा(51) **6.** मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54) **7.** सरसिज बिनु सर सर बिनु सरसिज(83)

कबीर (कबीर ग्रंथावली –श्यामसुंदर दास से **7 पद) :** 1.संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16) **2**. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) **3**. पांडे कौंन कुमति तोहि लागी (39) **4**. पंडित बाद वदंते झूठा (40) **5**.माया तजूं तजी नहीं जाइ(84) **6**. मन रे तन कागद का पुतला(92) **7**. हरि जननि मैं बालक तोरा(111) **.**

इकाई : दो

सूरदास (सूरदास सटीक –धीरेन्द्र वर्मा से **7 पद) : 1.** अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) **2** . सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) **3.** मुरली तऊ गुपालहिं भावति(गोकुल

लीला : 42) **4**. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) **5.** कोउ ब्रज बांचत नाहिंन पाती (उद्धव-सन्देश : 44) **6.** आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) **7**. निरगुन कौन देस कौ बासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से **7 पद) :** - **1.** मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) **2**. ऊँचो मनु,ऊंची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) **3.** जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) **4.** किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,चाकर,चपल नट,चोर,चार, चेटकी(96), **5**. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबन जरत जुर, परै न कल कहीं(98) **6.** धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106), **7.** लालची ललात बिललात द्वार-द्वार दीन, बदन मलीन, मन मिटै ना बिसूरना (148)

इकाई : तीन

मीराबाई (मीरा का काव्य-विश्वनाथ त्रिपाठी से **7 पद) : 1.** आली री म्हारे णणा बाण पड़ी **2.** म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां **3.** जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट **4.** को बिरहिनी को दुःख जांणै हो **5.** पतियां मैं कैसे लिखूं, लिख्योरी न जाय **6**. भज मन चरण कंवल अवणासी 7**.** राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर से **15 दोहे) : 1.** बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) **2.** कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) **3.** या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) **4.** मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) **5.** बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) **6.** तजि तीरथ हरि राधिके(201) **7.** आड़े दे आले बसन जाड़े हूं की रात(283) **8.** सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) **9.** कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) **10.** लिखन बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर(347) **11.** दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढ़ै दुःख-दंदु (357) **12.** दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) **13**. समै समै सुन्दर सबै, रूप कुरूपु न कोई(432) **14**. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472) **15**. लटुआ लौं प्रभ-कर गहैं निगुनी गुन लपटाइ(501)

इकाई : चार

भूषण (स्वर्ण मञ्जूषा–नलिनविलोचन शर्मा, केसरी कुमार से **7 पद) : 1.** पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) **2**. जै जयति, जै आदि-सकति जै कालि, कपर्दिनि(3) **3.** इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) **4.** बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) **5.** मद-जलधरन दुरद-बल राजत(12) **6.** भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) **7**. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

घनानंद (घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से **7 पद)** : **1**. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) **2.** पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) **3.** तब तो छबि पीवत जीवत है, अब सोचन लोचन जात जरे(13) **4.** रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) **5**. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) **6**. घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ जिहि भांतिन हौं दुःख-सूल सहौं (88) **7**. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

24. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
26. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
27. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
28. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
29. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
31. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास,दिल्ली
32. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
33. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
35. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
36. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागिरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
37. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
38. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
39. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
40. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

41. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

42. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

43. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली

44. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

45. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1

COURSE CODE : BAHHINGE101

(क) हिन्दी सिनेमा

अंक विभाजन		
प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई-1: हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: हिन्दी सिनेमा में भारतीय समाज
समाज पर हिन्दी सिनेमा का प्रभाव

इकाई-3: हिन्दी सिनेमा के गीत :वस्तु और शिल्प

इकाई- 4 :फिल्म समीक्षा

1- मदर इंडिया
2- तीसरी कसम
3- शोले
4- तारे जमीं पर

सहायक ग्रंथ :

1- हिन्दी सिनेमा का इतिहास- मनमोहन चड्ढा
2- सिनेमा आज और कल –विनोद भारद्वाज
3- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रकाशन विभाग
4- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रहलाद अग्रवाल
5- सिनेमा का जादुई सफर –प्रताप सिंह

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1

COURSE CODE : BAHHINGE102

(ख) टेलीविज़न के हिन्दी चैनल

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई-1: टेलीविजन के हिन्दी चैनल : संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: टेलीविजन के हिन्दी चैनल :

1- समाचार चैनल
2- मनोरंजन चैनल
3- बच्चों के चैनल
4- ज्ञान –विज्ञान के चैनल

इकाई-3 : टेलीविजन के हिन्दी चैनल : भाषा

इकाई- 4 : टेलीविजन के हिन्दी चैनल : मूल्यांकन

1- आज तक
2- एपिक
3- पोगो
4- डी.डी .भारती

सहायक ग्रंथ :

1- टेलीविजन की भाषा – हरिश्चंद्र बरनवाल
2- टेलीविजन लेखन –असगर वजाहत,प्रभात रंजन
3- मीडिया समग्र- 11खंड – जगदीश्वर चतुर्वेदी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-3

COURSE CODE : BAHHINC201

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई -1: आधुनिक काल :

- नवजागरण : सामान्य परिचय ।
- भारतेन्दु युग : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।
- द्विवेदी युग : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -2 : छायावाद : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -3 : छायावादोत्तर काव्य : पृष्ठभूमि,प्रवृतियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -4 :

- हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास।
- हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास।
- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ।

सहायक ग्रंथ :-

सहायक ग्रंथ:

1- हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

1- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह
2- छायावाद – नामवर सिंह
3- हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास – बच्चन सिंह
4- हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
5- हिन्दी साहित्य का इतिहास –(संपादक) नगेन्द्र
6- हिंदी साहित्य कोश – भाग 1 तथा 2

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-4

COURSE CODE : BAHHINC202

आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**=**
10		

इकाई : एक

भारतेंदु : दशरथ-विलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये ज़माने की मुकरी(भारतेंदु समग्र से)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद सं०-26 से 83 तक)

इकाई : दो

मैथिलीशरण गुप्त : हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास(कविता कोश से संग्रहित)

इकाई : तीन

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री , मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल कलह में, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग-6, जागो फिर एक बार, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है

इकाई : चार

सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार, ताज, यह धरती कितना देती है, भारत माता

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुःख की बदली, विरह का जलजात जीवन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, हे चिर महान

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ –संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती– मैथिलीशरण गुप्त,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरा- मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद-निराला-अज्ञेय –रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड-2, -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला : आत्महंता आस्था –दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी : परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पन्त : जीवन और साहित्य(2 भाग), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. मैथिलीशरण गुप्त- नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली खंड-3, संपादक-ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संसथान, नयी दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र- सं० हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2

COURSE CODE : BAHHINGE201

रचनात्मक लेखन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 . रचनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत।

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया – गद्य , पद्य में।

इकाई-2. रचनात्मक लेखन : भाषा संदर्भ।

अनौपचारिक-औपचारिक , मौखिक-लिखित , क्षेत्रीय ।

इकाई.3- कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई.4- कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान - केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान - बैकुंठनाथ

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2

COURSE CODE : BAHHINGE202

पटकथा तथा संवाद लेखन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई : 1. पटकथा : अवधारणा और स्वरूप

इकाई : 2. फ़ीचर फ़िल्म, टी. वी. धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

इकाई : 3. संवाद: सैद्धांतिकी और संरचना

इकाई : 4. फीचर फिल्म, टी.वी.धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन

सहायक ग्रंथ –

1.पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी

2.टेलीविजन का लेखन – असगर वजाहत

3.कथा-पटकथा – मन्नू भंडारी

4.रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर

MIL Hindi B.A. 2ND SEM. FOR All Hons. and Programme

AECC -2 & AECC – 2 (Elective)

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई 1 – कविता :-

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन -बातें – (kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय – आपकी हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी - अपराजिता (kavitakosh.org)

इकाई-2 कहानी :-

प्रेमचंद- नशा (मानसरोवर भाग-1)

शिवमूर्ति – सिरी उपमा जोग (www.hindisamay.com)

इकाई-3. निबंध :-

भारतेंदु- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है ? (www.hindisamay.com)

राहुल सांकृत्यायन – स्त्री घुमक्कड़ (घुमक्कड़ शास्त्र-राहुल सांकृत्यायन)

इकाई-4. व्यंग्य :-

हरिशंकर परसाई – भारत को चाहिये जादूगर और साधु (वैष्णव की फिसलन-हरिशंकर परसाई)

ज्ञान चतुर्वेदी - मूर्खता में ही होशियारी (www.hindisamay.com)

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
7. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-5

COURSE CODE : BAHHINC301

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषा :परिभाषा, भाषा और बोली | भाषा विज्ञान:सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग,अध्ययन की पद्धतियाँ |

इकाई-2:ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई- 3 :हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ,सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास ।

इकाई-4: हिंदी के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा,राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :

6- भाषा विज्ञान प्रवेश एंव हिंदी भाषा—डॉ.भोलानाथ तिवारी
7- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्र नाथ शर्मा
8- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ.भोलानाथ तिवारी

10-हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
11-प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
12-प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
13-व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
14-मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
15-मानक हिंदी स्वरूप और संरचन—डॉ.रामप्रकाश
16-परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-6

COURSE CODE : BAHHINC303

छायावादोत्तर हिंदी कविता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: दिनकर – रश्मिरथी(तृतीय सर्ग)
अज्ञेय- कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप।

इकाई-2: मुक्तिबोध—चाँद का मुँह टेढ़ा है।
नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूँ, बहुत दिनों के बाद।

इकाई-3 : धूमिल- रोटी और संसद, गाँव।
रघुवीर सहाय- आत्महत्या के विरुद्ध, खड़ी स्त्री।

इकाई- 4: अरुण कमल- अपनी केवल धार , पुतली में संसार।
अनामिका- जनम ले रहा है एक नया पुरुष-1 , नमक।

संदर्भ ग्रंथ :

1- मुक्तिबोध का रचना संसार- सं.गंगा प्रसाद विमल
2- गजानन माधव मुक्तिबोध-सं. लक्ष्मण दत्त गौतम

3- मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कवित—लल्लन राय
4- अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
5- कविता के नये प्रतिमान-- नामवर सिंह
6- अज्ञेय :- सं. विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
7- नागार्जुन की काव्यप्रक्रिया—अशोक चक्रधर
8- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य – हुकुमचंद्र राजपाल
9- नागार्जुन का रचना संसार—विजय बहादुर सिंह
10-रघुवीर सहाय का कवि कर्म—सुरेश शर्मा
11-रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन—मीनाक्षी
12-समकालीन कविता और धूमिल—मंजुल उपाध्याय
13-समकालीन हिंदी कविता—विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
14-कविता के देशकाल—मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
15-कविता का समकालीन प्रमेय—अरुण होता

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-7

COURSE CODE : BAHHINC303

हिंदी नाटक और एकांकी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

नाटक :-

इकाई-1:ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई-2:आधे-अधूरे—मोहन राकेश

इकाई-3: बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

एकांकी:-

इकाई-1 : सूखी डाली—उपेंद्रनाथ अश्क

इकाई-2: औरंगजेब की आखिरी रात- राम कुमार वर्मा

इकाई-3: स्ट्राइक- भुवनेश्वर

संदर्भ ग्रंथ :

1- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच-नेमिचंद्र जैन

2- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचन—गोविंद चातक

3- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच—जयदेव तनेजा
4- हिन्दी नाटक- जयदेव तनेजा
5- हिंदी एकांकी उद्भव और विकास—डॉ. रामचरण महेंद्र
6- हिंदी एकांकी—सत्येंद्र
7- एकांकी और एकांकी—डॉ. सुरेंद्र यादव

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : GE-3
COURSE CODE : BAHHINGE301

(क) अनुवाद

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा , स्वरूप और क्षेत्र।

इकाई2-. भारत में अनुवाद की परम्परा।

इकाई -3. अनुवाद : प्रकृति और प्रकार , अनुवाद : महत्त्व और सीमाएँ।

इकाई-4. समतुल्यता का सिद्धांत और अनुवाद |

संदर्भ ग्रंथ:-

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. डॉ. नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – कुमार सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम – मा. गो. चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी
4. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि – भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकश खेमाज
6. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : GE-3
COURSE CODE : BAHHINGE302

(ख) पत्रकारिता

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।

इकाई .2-प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई3-. इलेक्ट्रानिक| माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई4-.साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता |

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे

2. समाचार, फिचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन

3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा

4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी

6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेंद्र गुप्त

7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1

COURSE CODE : BAHHINSEC301

विज्ञापन और हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: विज्ञापन की परिभाषा

इकाई-2 : विज्ञापन के प्रकार और उद्देश्य

इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग

इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

4- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
5- मीडिया लेखन—डॉ.यू.सी. गुप्ता
6- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ.यू.सी. गुप्ता
7- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
8- जनसम्पर्क, स्वरुप और सिद्धांत—डॉ.राजेंद्र प्रसाद

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1
COURSE CODE : BAHHINSEC302

सोशल मीडिया

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 : इंटरनेट

इकाई-2 : विकीपीडिया

इकाई-3 : यू ट्यूब

इकाई-4 : फेसबुक

संदर्भ ग्रंथ :

1- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
2- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
3- जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-8

COURSE CODE : BAHHINC401

प्रयोजनमूलक हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र।

इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा,परिपत्र , अधिसूचना ।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियां।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-9

COURSE CODE : BAHHINC402

हिंदी उपन्यास

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद

इकाई-2: मैला आंचल—फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी

इकाई- 4 :ग्लोबल गाँव के देवता-- रणेंद्र

संदर्भ ग्रंथ :

17-प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
18-प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
19-प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
20- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
21-हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा—रामदरश मिश्र
22-आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
23-उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
24-हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
25-उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
26-प्रेमचंद के उपन्यसों का शिल्प विधान—कमल किशोर गोयंका
27-मैला आंचल – मधुरेश
28-फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : CC-10

COURSE CODE : BAHHINC403

हिंदी कहानी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1 : प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

इकाई-2 जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-3 जैनेंद्र - पत्नी

इकाई-4 उषा प्रियंवदा- वापसी

इकाई-5 निर्मल वर्मा - परिंदे

इकाई-6 अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-7 उदय प्रकाश - दरियाई घोड़ा

इकाई-8 अज्ञेय - शरणदाता

इकाई-9 ओम प्रकाश वाल्मीकि - सलाम

इकाई-10 संजीव – घर चलो दुलरी बाई

संदर्भ ग्रंथ --

1) मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद

2) प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद

3) प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र

4) सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा

5) प्रतिनिध कहानियाँ - निर्मल वर्मा

6) प्रतिनिधि कहानियाँ - अमरकांत

7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिंहा

8). हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इंद्रनाथ मदान

9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह

10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव

11). नयी कहानी संदर्भ और प्राकृति – देवीशंकर अवस्थी

12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश

13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय

14). दलित साहित्य : बुनियाद सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल

15). यसपाल – मधुरेश

16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : GE-4

COURSE CODE : BAHHINGE401

(क) हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषाओं का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई-2 : हिंदी का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई- 3 : जनमाध्यमों में हिंदी।

इकाई- 4: 21 वीं सदी में हिंदी की चुनौतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य – वेद प्रकाश उपाध्याय
2. हिंदी का विश्व संदर्भ – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
3. हिंदी भाषा के बढ़ते कदम – ऋषभ देव शर्मा
4. वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य –मुनीष कुमार
5. वैश्विक परिदृश्य में आज का भारत : समकालीन विमर्श के विविध सरोकार – वीरेंद्र सिंह यादव

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : GE-4

COURSE CODE : BAHHINGE402

(ख) हिंदी भाषा शिक्षण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत ।

इकाई-2: हिंदी भाषा शिक्षण की विधियाँ।

इकाई-3: हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन एवं उपयोगिता।

इकाई-4: व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. मीडिया और बाज़ारवाद – सं. रामशरण जोशी
3. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार – एन. आर. स्वरूप सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण – बी. एल. श्रमा एवं बी. एम. सक्सैना
5. हिंदी शिक्षण – रामसकल पाण्डेय
6. शिक्षण की तकनीकी – एन. आर. स्वरूप सक्सेना , एम. सी. ओबराय
7. शिक्षा सिद्धांत – एन. आर. स्वरूप सक्सेना

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : SEC-2

COURSE CODE : BAHHINSEC401

(क)सम्भाषण कला

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3. अच्छे वक्ता के गुण

इकाई- 4. प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य
3. आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
4. अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)

COURSE TYPE : SEC-2

COURSE CODE : BAHHINSEC402

कार्यालयी हिंदी

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरुप

इकाई :2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध्दसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याऐं।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग– दंगल झाल्टे
3. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
5. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-11

COURSE CODE : BAHHINC501

भारतीय काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक :		**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :		**= 10**

इकाई-1 काव्य लक्षण,काव्य – हेतु , काव्य प्रयोजन।

इकाई-2 शब्द शक्तियाँ – अभिधा , लक्षणा , व्यंजना।

इकाई-3 रस-सिद्धांत : रसांग , रस-निष्पत्ति , साधारणीकण ।

इकाई-4 रसेतर सिद्धांत : इतिहास और परिचय , अलंकार , ध्वनि , रीति।

संदर्भ ग्रंथ--

1. भारतीय साहित्य शास्त्र—गणेश त्र्यंबक देशपांडे
2. काव्यशास्त्र- भागीरथ मिश्र
3. रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. भारतीय साहित्य शास्त्र(दोनों भाग) - बलदेव उपाध्याय
6. रस सिद्धांत – नगेंद्र
7. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोला शंकर व्यास

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-12

COURSE CODE : BAHHINC502

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1- प्लेटो : काव्यलोचन , अरस्तू : अनुकरण , विरेचन , त्रासदी।

इकाई2-. लोंजाइनस : उदात्त , वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा।

इकाई3-. टी.एस. इलिएट : निर्वैयक्तिकता , वस्तुनिष्ट समीकरण एवं आई. ए. रिचर्डस का मूल्य-सिद्धांत एवं संप्रेषण-सिद्धांत।

इकाई4-. स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद।

संदर्भ ग्रंथ—

1. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा
3. भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र चिंतन – निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – शांति स्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – सावित्री सिन्हा
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र सिद्धांत और वाद – सं. नगेंद्र
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – निर्मला जैन एवं डॉ. कुसुम भाँठिया

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE501

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा तथा विशेषताएँ।

इकाई-2 : स्त्री विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में स्त्री विमर्श।

इकाई-3: दलित विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में दलित विमर्श।

इकाई-4: आदिवासी विमर्श की अवधारणा, साठोत्तरी गद्य साहित्य में आदिवासी विमर्श।

संदर्भ ग्रंथ--

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास—राधा कुमार
2. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श—जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. स्त्री मुक्ति का सपना—वसुधा विशेषांक(2014)
4. उपनिवेश में स्त्री—प्रभा खेतान
5. स्त्री स्मिता का प्रश्न—सुभाष सेतिया
6. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—शरण कुमार लिम्बाले
7. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—ओमप्रकाश वाल्मीकि
8. दलित विमर्श की भूमिका—कंवल भारती

9. दलित दर्शन—रमणिका गुप्ता
10. दलित लेखन का अंतर्विरोध—डॉ. रामकली सर्राफ
11. आदिवासी लोक- रमणिका गुप्ता

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE502

भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1- रंगमंच की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणाएँ और इतिहास।

इकाई2- हिंदी साहित्य में रंगमंच की उपस्थिति और उसका विस्तार।

इकाई3- पाश्चात्य साहित्य में रंगमंच और उसका विस्तार।

इकाई 4- आषाढ़ का एक दिन एवं आठवाँ सर्ग का रंगमंच की दृष्टि से विश्लेषण- विवेचन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेन्द्र

2.हिन्दी एकांकी शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार

3. समानांतर – रमेशचंद्र शाह

4. धर्मवीर भारती ग्रंथावली - सं. चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. रंगमंच के सिद्धांत – सं. महेश आनंद , देवेंद्र राज अंकुर
6. रंगमंच का जनतंत्र – हृषीकेश सुलभ

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE503

हिन्दी व्याकरण

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: संधि तथा समास, क्रियाविशेषण ।

इकाई-2 : शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

इकाई-3: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द , विराम चिह्न।

इकाई-4: छंद (चौपाई,दोहा कवित्त , सवैया, छप्पय) , अलंकार (अनुप्रास , यमक , श्लेष, रूपक,उत्प्रेक्षा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

1- हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
2- हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
3- हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
4- शुद्ध हिंदी कैसे लिखें - आर. पी. सिन्हा
5- शुद्ध हिंदी - हदेव बाहरी
6- काव्य शास्त्र – भगीरथ मिश्र
7- काव्यांग पारिजात : डॉ. हरिचरन शर्मा
8- अलंकार मुक्तावली : देवेंद्रनाथ शर्मा
9- साहित्य-शास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE504

पुस्तक समीक्षा

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई1-. समीक्षा की अवधारणाएँ , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई2-. हिंदी साहित्य में पुस्तक समीक्षा का इतिहास ।

इकाई3-. पुस्तक समीक्षा के प्रतिमान।

इकाई4- किसी एक पुस्तक की समीक्षा : --

1. अकाल में सारस : केदार सिंह

   अथवा

2. त्यागपत्र : जैनेंद्र कुमार

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी गद्य का विकास - रामचंद्र तिवारी
3. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम, प्रभात रंजन
4. केदारनाथ सिंह विशेषांक – पाखी , जून-2018 (सं. प्रेम भरद्वाज)

5. जैनेंद्र साहित्य और समीक्षा – राम रतन भटनागर
6. केदारनाथ सिंह : चकिया से दिल्ली – सं. कामेश्वर सिंह

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE505

भारतीय साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1: भारतीय साहित्य का स्वरूप : आध्ययन की समस्याएँ।

इकाई-2 : भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।

इकाई-3: भारतीयता का समाजशास्त्र ।

इकाई- 4 : हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

संदर्भ ग्रंथ :

1- भारतीय साहित्य—डॉ. नगेंद्र
2- भारतीय साहित्य की भूमिका—रामविलास शर्मा
3- भारतीय साहित्य आशा और आस्था—डॉ. आरसु
4- तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिपेक्ष्य – इंद्रनाथ चौधरी
5- भारतीय साहित्य की पहचान - सं. सियाराम तिवारी, वाणी
6- भारतीय साहित्य - रोहिताश्व

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-13

COURSE CODE : BAHHINC601

हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. रामचंद्र शुक्ल – भय , हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल।

इकाई-2. विद्यानिवास मिश्र – बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं , रामविलास शर्मा – निराला का अपराजेय व्यक्तित्व।

इकाई-3. महादेवी वर्मा – गूँगिया , राहुल सांकृत्यायन – विद्या और वय।

इकाई-4 मैत्रेयी पुष्पा – कस्तुरी कुंडल बसै (रे मन जाह , जहाँ तोहि भावे) , फणीश्वर नाथ रेणु – सरहद के उस पार।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ – डॉ. हरिमोहन
3. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास – नंदकिशोर नवल
4. हिंदी के रेखाचित्र – माखनलाल शर्मा
5. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-14

COURSE CODE : BAHHINC602

हिंदी आलोचना

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई .1-हिंदी आलोचना का प्रारम्भ और द्विवेदीयुगीन आलोचना।

इकाई . 2-आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना ।

इकाई 3- शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना : हजारीप्रसाद द्विवेदी , नंददुलारे वाजपेयी।

इकाई.4- प्रगतिशील आलोचना की प्रवृतियाँ और रामविलास शर्मा , नामवर सिंह।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल
3. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश
5. आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE601

लोक-साहित्य

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. लोक साहित्य की अवधारणाएँ , स्वरूप तथा विशेषताएँ।

इकाई-2. लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य।

इकाई-3. हिंदी साहित्य विविध विधाओं (कविता एवं कहानी) में लोक और उसकी उपस्थिति।

इकाई-4. लोक साहित्य : वर्तमान और भविष्य।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी लोक साहित्य : सिद्धांत और विकास- डॉ. अनसूया अग्रवाल
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. शिवराम शर्मा
3. लोक- सं. पीयूष दईया
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. परम्परा और परिवर्तन - श्यामाचरण दुबे
6. लोकजीवन और साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा
7. लोकसंस्कृति और इतिहास – बद्रीनारायण
8. ग्राम गीत : रामनरेश त्रिपाठी

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE602

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. उपन्यास : संस्कार (यू. आअर. अनंतमूर्ति)।

इकाई-2. कहानी : युद्ध , जनाजा (शानी)।

इकाई-3. निबंध : साहित्य का तात्पर्य , सभ्यता का संकट (रवींद्रनाथ ठाकुर)।

इकाई-4. आत्मकथा: अक्करमासी के कुछ अंश (शरण कुमार लिम्बाले)।

संदर्भ ग्रंथ -

1. अक्करमासी - शरणकुमार लिम्बाले
2. प्रतिनिधि कहानियाँ – शानी
3. संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति
4. रवींद्र रचना संचयन – सं. असित कुमार बंधोपाध्याय

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE603

हिंदी सेवी संस्थाओं का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को किसी एक हिंदी सेवी संस्था का सर्वेक्षण करना होगा तथा 5000 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी।

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE604

हिंदी भाषी समाज का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें न्यूनतम दस परिवार आते हों , का सामाजिक , सांस्कृतिक ,ऐतिहासिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए 5000 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी।

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE605

हिंदी रंगमंच

अंक विभाजन

प्रश्न		**अंक**
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 व्याख्यामूलक	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	**:**	**=40**
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	**:**	**= 10**

इकाई-1. हिंदी रंग चिंतन की शुरूआत , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई-2. हिंदी रंग चिंतन की परम्परा : सैद्धांतिक रचनाकार।

(भारतेंदु , प्रसाद, मोहन राकेश , भीष्म साहनी)।

इकाई-3. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र : नाट्यलेख , निर्देशन , प्रेक्षागृह और दर्शक।

इकाई-4. नाट्य- समीक्षा : ध्रुवस्वामिनी और कोणार्क।

संदर्भ ग्रंथ

1. रंगमंच के सिंद्धात – सं. महेश आनंद , देवेंद्र राज अंकुर
2. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेंद्र राज अंकुर
3. नाट्य दर्पण—मोहन राकेश
4. रंगमंच का जनतंत्र—हृषिकेश सुलभ